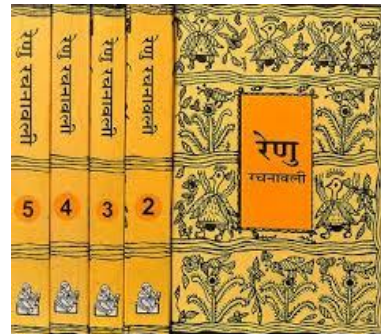




तीसरी कसम—

प्रहलाद अग्रवाल



तीसरी कसम फिल्म

‘तीसरी कसम’ फिल्म फणीश्वरनाथ
रेणु के उपन्यास तीसरी कसम उर्फ
मारे गए गुलफाम पर आधारित है।

‘तीसरी कसम’ शैलेंद्र के
जीवन की पहली और
अंतिम फिल्म है। ‘तीसरी
कसम’ को ‘राष्ट्रपति
स्वर्णपदक’ मिला, बंगाल
फिल्म जर्नलिस्ट
एसोसिएशन द्वारा सर्वश्रेष्ठ
फिल्म और कई अन्य
पुरस्कारों द्वारा सम्मानित
किया गया। मास्को फिल्म
फेस्टिवल में भी यह फिल्म
पुरस्कृत हुई।

तीसरी कसम फिल्म को प्राप्त पुरस्कार

शैलेन्द्र की
विशेषताएं—

..वह तो एक आदर्शवादी भावुक कवि
था, जिसे अपार संपत्ति और यश
तक की इतनी कामना नहीं थी
जितनी आत्म—संतुष्टि के सुख की
अभिलाषा थी ।



जनता की रुचियों के लिए फिल्म
के स्तर में गिरावट नहीं की ।

तीसरी कसम फिल्म की विशेषताएं—

फिल्म के नायक राजकपूर व नायिका वहीदा रहमान |

निर्माता— गीतकार शैलेन्द्र



तीसरी कसम फिल्म की असफलता के कारण—

निर्माता— गीतकार शैलेन्द्र को धन की चाह न होने के कारण मसाला फिल्म बनाने से इंकार।

